करेंट अफेयर्स : समसामयिकी विविध

रिजर्व बैंक द्वारा जारी नवीनतम मौद्रिक दरें

- बैंक दर – 6.75 प्रतिशत
- रेपो दर – 6.50 प्रतिशत
- रिवर्स रेपो दर – 3.35 प्रतिशत
- सीआरआर – 4.50 प्रतिशत
- एसएलआर – 18.00 प्रतिशत
- एमएसएफ – 6.75 प्रतिशत

(1 जनवरी, 2024 की स्थिति)

भारत मण्डपम : महत्वपूर्ण तथ्य

- दिल्ली के **प्रगति मैदान** में स्थित एक **अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केन्द्र (IECC)**, जिसे 'भारम मण्डपम' के नाम से जाना जाता है, का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा **26 जुलाई, 2023** को किया गया।
- इसका नाम 'भारत मण्डपम' **भगवान बसवेश्वर** की अनुभव मण्डपम की अवधारणा से प्रेरित है।
- इसके वास्तुकार **संजय सिंह एवं साइमन एनएएफ** (स्पेनिश) है।
- इसका निर्माण **शापूरजी पालोनजी एंड कंपनी लिमिटेड** ने किया है।
- इसका संचालन व प्रबंधन **ITPO** द्वारा किया जाता है, जो भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत **एक व्यापार संवर्धन एजेंसी** है।
- इसका आकार **अंडाकार** है। इसके उच्चतम स्तर पर **'विंडो टू दिल्ली'** है, जिससे **कर्तव्य पथ, इंडिया गेट और राष्ट्रपति भवन** देखा जा सकता है।
- इसके उच्चतम स्तर पर 7000 **लोगों** की बैठने की व्यवस्था है।

विश्व की सबसे बड़ी नटराज प्रतिमा

- दिल्ली के **प्रगति मैदान** में स्थित 'भारत मण्डपम' के सामने **अष्टधातु** से बनी **दुनिया की सबसे बड़ी नटराज प्रतिमा** स्थापित की गई है।
- **27 फुट ऊँची** और **18 टन वजनी** इस मूर्ति को तमिलनाडु के स्वामीमलाई के **राधाकृष्णन सतपथी** ने तैयार किया है।

भारत का नया संसद भवन : महत्वपूर्ण तथ्य

- पीएम मोदी ने नये संसद भवन का उद्घाटन **28 मई, 2023 को** विनायक दामोदर सावरकर की 140वीं जयंती के अवसर पर किया, जिसकी आधारशिला पीएम मोदी ने **10 दिसम्बर, 2020** को रखी थी।
- उद्घाटन को चिन्हीत करने के लिए **75 रू. का सिक्का** लांच किया गया।
- नया भवन **सेंट्रल विस्टा परियोजना** का हिस्सा है, जिसका निर्माण **टाटा लिमिटेड** ने **971 करोड़ रूपये** की अनुमानित लागत से किया है।
- भवन का डिजाईन **HCP डिजाइन एंड प्लानिंग कंपनी** ने किया है।
- **त्रिभुजाकार** आकार वाले भवन का क्षेत्रफल 64500 वर्ग मी. है।
- नए संसद भवन के संयुक्त सत्र में कुल **1272** लोग बैठ सकेंगे।
- नए संसद भवन के लोकसभा सदन में **888 सदस्यों** तथा राज्यसभा सदन में **384 सदस्यों** की बैठने की व्यवस्था होगी।
- नए संसद भवन के वास्तुकार **बिमल पटेल** है।

भारत के प्रमुख रामसर साइट : 2021-22

शालबुग आर्द्रभूमि संरक्षण रिजर्व	– जम्मू-कश्मीर (75वाँ)
हाइगम आद्रभूमि संरक्षण रिजर्व	– जम्मू-कश्मीर
ठाणे क्रिक	– महाराष्ट्र
कांजीरकुलम पक्षी अभयारण्य	– तमिलनाडु
वडुवुर पक्षी अभयारण्य	– तमिलनाडु
सुचिन्द्रम थेरूर आर्द्रभूमि कॉम्प्लेक्स	– तमिलनाडु
चित्रागुड़ी पक्षी अभयारण्य	– तमिलनाडु
यशवंत सागर	– मध्य प्रदेश
अंशुपा झील	– ओडिशा
हीराकुंड जलाशय	– ओडिशा
तंपारा झील	– ओडिशा
रंगनाथित्तु	– कनार्टक
नंदा लेक	– गोआ
सतकोशिया गॉर्ज	– ओडिशा
वेम्बानूर आर्द्रभूमि काम्प्लेक्स	– तमिलनाडु
वेलोड पक्षी अभयारण्य	– तमिलनाडु
वंदांथांगल पक्षी अभयारण्य	– तमिलनाडु
उदय मार्तण्डपुरम पक्षी अभयारण्य	– तमिलनाडु
गल्फ ऑफ मन्नार बायोस्फियर रिजर्व	– तमिलनाडु
कूंथानकुलम पक्षी अभयारण्य	– तमिलनाडु
सिरपुर तालाब	– इंदौर, मध्य प्रदेश
पाला आर्द्रभूमि	– सियाहा जिला (मिजोरम)
साख्य सागर झील (53वाँ)	– शिवपुरी (मध्य प्रदेश)
पिचवरम मैंग्रोव (52वाँ)	– पिचवरम (तमिलनाडु)
पल्लिकरनई मार्श रिजर्व फॉरेस्ट	– चेन्नई (तमिलनाडु)
करिकिली पक्षी अभयारण्य	– कांचीपुरम (तमिलनाडु)
बखिरा वन्यजीव अभयारण्य	– संत कबीर नगर (उत्तर प्रदेश)
खिजड़िया पक्षी अभयारण्य	– जामनगर (गुजरात)
हैदरपुर आर्द्रभूमि	– उत्तर प्रदेश
भिंडवास वन्यजीव अभयारण्य	– झज्जर (हरियाणा)
सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान	– गुरूग्राम (हरियाणा)
थोल झील वन्यजीव अभयारण्य	– महसाना (गुजरात)
वाधवाना आर्द्रभूमि	– वडोदरा (गुजरात)
त्सो कर झील	– लद्दाख
सूर सरोवर (कीथम झील)	– आगरा (उत्तर प्रदेश)
लोनार झील	– बुलढाणा (महाराष्ट्र)
कांवरताल झील	– बेगुसराय (बिहार)

- वर्तमान में भारत में रामसर साइटों की कुल संख्या – 75
- भारत के किस राज्य में सर्वाधिक रामसर साइट है – **तमिलनाडु (14)**

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

मिशन चंद्रयान-3 : महत्वपूर्ण तथ्य

- **चंद्रयान-3** को **14 जुलाई, 2023** को आंध्र-प्रदेश के **श्री हरिकोटा** में सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र से **एस. सोमनाथ** की अध्यक्षता में ISRO द्वारा **LVM3-M4** रॉकेट से लॉन्च किया गया तथा **23 अगस्त, 2023** को सफलतापूर्वक चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुँच गया।
- इसमें 3 मॉड्यूल है - **प्रोप्ल्शन मॉड्यूल, लैंडर मॉड्यूल और रोवर**।
- 'लैंडर' को **विक्रम** तथा 'रोवर' को **प्रज्ञान** नाम दिया गया है।
- चंद्रयान-2 को **22 जुलाई, 2019** को **के. सिवन** की अध्यक्षता में ISRO द्वारा **GSLV मार्क-3** रॉकेट से लॉन्च किया गया था।

भारत सरकार के आगामी लक्ष्य

लक्ष्य	वर्ष
भारत में सेमीकंडक्टर रिसर्च सेंटर स्थापना करने का लक्ष्य	2024
कृषि में शून्य डीजल उपयोग, नवीकरणीय ऊर्जा का इस्तेमाल	2024
किसानों की आय दुगुना करने का लक्ष्य (पहले-2022)	2024
सबके लिए आवास मुहैया कराने का लक्ष्य (पहले-2022)	2024
हर घर में नल से जल / स्वच्छ जल आपूर्ति का लक्ष्य	2024
डिजिटल रेडियो लॉन्च करने का लक्ष्य	2024
100 नए एयरपोर्ट विकसित करने का लक्ष्य	2025
सभी गाँवों में ऑप्टिकल फाइबर बिछाने का लक्ष्य	2025
भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य	2025
भारत को टीबी (TB) मुक्त देश बनाने का लक्ष्य	2025
पेट्रॉल में एथेनॉल को 20% मिश्रित करने का लक्ष्य	2025
1 ट्रिलियन डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य	2025
दूध पर प्रसंस्करण को दोगुना करना	2025
वेटिंग टिकट को खत्म कर कनफर्म टिकट देने का लक्ष्य	2027
100 मीट्रिक टन कोयला गैसीकरण प्राप्त करने का लक्ष्य	2030
सेवा क्षेत्र में 1 ट्रिलियन डॉलर निर्यात का लक्ष्य	2030
कुल कार्बन उत्सर्जन में एक अरब टन की कमी	2030
विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य	2030
भारतीय रेलवे को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जक बनने का लक्ष्य	2030
भारत से पूर्ण रूप से मलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य	2030
कुल वाहन में 30% इलेक्ट्रिक वाहन करने का लक्ष्य	2030
HIV / एड्स को खत्म करने एवं मलेरिया उन्मूलन	2030
500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा प्राप्त करने का लक्ष्य	2030
280 गीगावाट सौर ऊर्जा प्राप्त करने का लक्ष्य	2030
चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्री भेजने का लक्ष्य	2040
भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य	2047
हाइड्रोफ्लोरो कार्बन के उपयोग को 80% तक कम करना	2047
भारत को ऊर्जा स्वतंत्र/आत्मनिर्भर देश बनाने का लक्ष्य	2047
मुम्बई शहर में शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य	2050
भारत द्वारा शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य	2070
देश के सभी राज्यों में एक सौर शहर विकसित करना	2070
भारत द्वारा नेट जीरो का लक्ष्य	2070

वर्ष 2022-23 में स्थापित प्रमुख 'स्टैच्यू'

- **स्टैच्यू ऑफ वननेस** (एकात्मता की प्रतिमा)
  - मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के ओंकारेश्वर में सरयू नदी के किनारे मांधाता पर्वत पर स्थित 108 फीट ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ वननेस' आदि शंकराचार्य की प्रतिमा है।
- **स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी** (समानता की मूर्ति)
  - हैदराबाद (तेलंगाना) में स्थित 216 फीट (65.5 मी.) ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी' संत श्री रामानुजाचार्ज की प्रतिमा है।
  - यह बैठी हुई मुद्रा में विश्व की दूसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है।
- **स्टैच्यू ऑफ नॉलेज**
  - महाराष्ट्र के लातूर में स्थापित 70 फुट ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ नॉलेज' डॉ. बी. आर. अंबेडकर की प्रतिमा है।
- **स्टैच्यू ऑफ प्रॉस्पेरिटी**
  - बेंगलुरू (कर्नाटक) में स्थित 108 फीट ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ प्रोस्पेरिटी' श्री नाथ प्रभु केंपेगौड़ा (बेंगलुरू के संस्थापक) की प्रतिमा है।
  - इस प्रतिमा के मूर्तिकार राम वी. सुतार है।
- **स्टैच्यू ऑफ पीस**
  - राजस्थान के पाली जिले के जैतपुरा में स्थित 27 फुट ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ पीस' जैन आचार्य विजय वल्लभ सुरीश्वर जी महाराज की मूर्ति है।
- **श्री रामानुजाचार्य की स्टैच्यू ऑफ पीस/शांति प्रतिमा**
  - 2022 में गृह मंत्री अमितशाह ने श्री रामानुजाचार्य की 4 फुट ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ पीस' का अनावरण जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में किया।
- **स्टैच्यू ऑफ यूनिटी**
  - गुजरात के केवड़िया में नर्मदा नदी के तट पर स्थित 182 मी. (597 फीट) ऊँची स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा है।
  - यह दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा है।
  - इसका निर्माण एल एंड टी कंपनी ने किया है।
  - इस मूर्ति के शिल्पकार राम वी. सुतार है।
- **स्टैच्यू ऑफ बिलीफ**
  - राजस्थान के नाथद्वारा शहर में स्थित 112 मी. (369 फुट) ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ बिलीफ (विश्वास स्वरूपम्)' भगवान शिव की प्रतिमा है।

वंदे भारत ट्रेन (ट्रेन-18) की शुरूआत

- **पहली ट्रेन** - 15 फरवरी, 2019 (दिल्ली से वाराणसी के बीच)
- **दूसरी ट्रेन** - 3 अक्टूबर, 2019 (दिल्ली से कटरा के बीच)
- **वंदे भारत चलाने वाली पहली महिला ड्राइवर** - सुरेखा यादव
- **वंदे भारत का निर्माण** - इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई
- **वंदे भारत का पुराना नाम** - ट्रेन-18
- **दक्षिण भारत की पहली वंदे भारत ट्रेन** - बेंगलुरू से चेन्नई के बीच

भारत की 'किसान रेल'

- **पहली किसान रेल की शुरूआत** - 7 अगस्त, 2020 को (महाराष्ट्र के देवताली से बिहार के दानापुर तक)
- **दक्षिण भारत की पहली (देश की दूसरी) किसान रेल की शुरूआत**- 9 सितम्बर, 2020 को अनंतपुर (आंध्र प्रदेश) से आदर्श नगर (दिल्ली) तक

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta